



**THE LAWRENCE SCHOOL,  
SANAWAR**

**Hindi Sample Q. Paper for Entrance Examination for Class- V**

**HINDI**

**Time: 01 Hour**

**Max. Marks: 100**

**Name of Candidate (In capital letters): .....**

**Registration Number: .....**

**Centre : .....**

**MARKS OBTAINED**

**Note: The teacher on duty is requested to ensure that child has written correct and complete Registration Number.**

**निर्देश : इस प्रश्न पत्र में कुल 8 प्रश्न और 5 पृष्ठ हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**

**Instructions:**

**This question paper is of 5 pages and contains 8 questions. All questions are compulsory.**

.....  
**Name of the teacher on duty**

.....  
**Teacher's Signature**

1 किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों का एक निबंध (**Essay**) लिखिए :

20

1. बेटी है अनमोल—कैसे ?    2. जब मैंने दान किया    3. घड़ी की टिक—टिक और जीवन की गति

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2. नीचे दिए गए चित्र को देखकर 150 शब्दों में उसका वर्णन करें। (Picture Writing) 20



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए।

खेल हमारे शरीर और मन-मस्तिष्क का समुचित विकास करते हैं। खेलने से शरीर पुष्ट होता है, माँसपेशियाँ मजबूत बनती हैं, शरीर में समुचित गठान आता है और रक्त का संचार उचित रूप से सारे शरीर में होता है। खुली हवा में खेलने से जो परिश्रम होता है, उससे फेफड़ों में ऑक्सीजन अधिक मात्रा में जाती है। इससे फेफड़े ही नहीं, सारा शरीर नई शक्ति से भर जाता है और नया रक्त बनता है। भाव यह है कि खेल-कूद से शरीर का प्रत्येक कार्य उचित प्रकार से होता रहता है। शरीर से रोग भी दूर रहते हैं। न खेलने से व्यक्ति को आलस्य, रोग, बुढ़ापा आदि सभी घेर लेते हैं, उमंग तथा उत्साह बहुत पीछे छूट जाते हैं, जीवन की खुशियाँ मुख मोड़ लेती हैं और व्यक्ति लाचार और हताश हो जाता है। धन-संपदा, आदर, मान-सत्कार और पद होने पर भी अगर स्वास्थ्य साथ नहीं देता, तो सारा जीवन नीरस और व्यर्थ हो जाता है। रोगी व्यक्ति न केवल अपने लिए बल्कि अपने परिवार के लिए भी बोझ स्वरूप हो जाता है। गाँधी जी तो बीमार होने को पाप का चिह्न मानते थे। इसलिए शरीर को स्वस्थ रखना बहुत आवश्यक है। इसका सीधा-सा सरल उपाय है- खेल-कूद में पूरा-पूरा हिस्सा लेना।

क खेलों से क्या-क्या लाभ होते हैं ?

2

.....

.....

ख खेलों के दौरान शरीर में अधिक मात्रा में ऑक्सीजन जाने से क्या होता है ?

2

.....

.....

ग न खेलने का क्या परिणाम होता है ?

2

.....

.....

घ विलोम शब्द लिखिए।

4

आलस्य-

रोगी-

बुढ़ापा-

नीरस-

4. नीचे लिखे शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (Use following words in sentences.)

10

मोबाईल .....

अंश .....

कार्य .....

है .....

पर .....

पानी .....

कंबल .....

नदी .....

पौधा .....

करता .....

5. नीचे लिखे शब्दों के लिंग (Gender) बदलिए :

10

युवक....., नर्तक....., कच्चा....., शेर.....

सिंह.....मजदूर.....,भील..... ऊँट.....,

घोड़ा....., गायक.....,

6. नीचे लिखे शब्दों के वचन (Number) बदलिए :

10

आँख....., मैं.....,दरी.....भाषा .....

मेज....., भेड़....., ईट....., तस्वीर.....,

बोली....., घड़ी.....,

7. नीचे लिखे शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए : (Rewrite the given words correctly) **10**

भूमि ..... परंतू....., मृत्यू....., कूआँ.....

दुसरा ..... अभीमान....., सप्ताहिक ..... अगामी. ....,

तीथी....., परीचय.....,

8. नीचे लिखे अंग्रेजी शब्दों के उचित हिंदी शब्द लिखिए। **10**

Social Science-

History-

House-

Assembly-

Hall-

Dance-

Drama-

Uniform-

Home Work-

Geography-